मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 74, मुंबई, शुक्रवार, 10 मई, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

महाराष्ट्र में कम हो रहें मुस्लिम सांसद

सूबे में 11.56% आबादी होने के बावजूद हाशिये पर

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री और महाराष्ट्र कांग्रेस के सबसे प्रमुख मुस्लिम चेहरों में से एक आरिफ नसीम खान ने बीते दिनों लोकसभा चुनाव के ऐन बीचोंबीच अपनी ही पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए कहा, कांग्रेस को मुस्लिम वोट चाहिए उम्मीदवार क्यों नहीं। वास्तव में खान मुंबई उत्तर मध्य से टिकट के इच्छुक थे, जो अंततः मुंबई कांग्रेस प्रमुख वर्षा गायकवाड़ को मिला। नसीम खान का गुस्सा जायज है, क्योंकि सूबे में इस लोकसभा चुनाव में एक भी मुस्लिम नेता किसी प्रमुख राजनीतिक दल के टिकट पर चुनाव नहीं लड़ रहा है। हालांकि नसीम खान को अंततः आलाकमान ने मुहार करके मना लिया है। महाराष्ट्र में मुस्लिम विधायकों की संख्या भी कम है। वर्तमान में विधानसभा में 10 विधायक हैं या 288 सदस्यीय सदन का 3.47%।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

राज्य में 11.56% मुस्लिम आबादी

1.30 करोड़ की आबादी के साथ मुसलमान महाराष्ट्र की आबादी का 11.56% हिस्सा हैं। उत्तरी कोंकण, खानदेश, मराठवाड़ा और पश्चिमी विदर्भ में उनकी संख्या अधिक है। 1960 में अस्तित्व में आने के बाद से महाराष्ट्र में मुस्लिम सांसदों की संख्या कभी भी राज्य में उनकी आबादी के अनुपात में नहीं रही है। पिछले 64 वर्षों में राज्य से चुने गए 614 लोकसभा सांसदों में से केवल 15 या 2.5% से कम मुस्लिम रहे हैं। पिछले चार लोकसभा चुनावों में कुल पांच मुस्लिम उम्मीदवारों ने प्रमुख दलों के टिकट पर चुनाव लड़ा है। 2004 में कांग्रेस ने कोलाबा से एआर अंतुले को मैदान में उतारा और उन्होंने जीत हासिल की।

मुंबई-पुणे हाईवे पर ब्रेक फेल होने की वजह से 3 लोगों की मौत

8 गंभीर घायल

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर हादसे की एक घटना सामने आई है। दरअसल यहां खोपोली के पास ब्रेक फेल होने से एक ट्रक ने टेंपो और उसके आगे चल रही कार में टक्कर मार दी। दिला दहला देने वाले इस हादसे में कार सवार दो लोगों की और ट्रक ड्राइवर की मौत हो गई है। वहीं अन्य 8 लोग घायल हो गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, यह हादसा पुणे से मुंबई जाते समय हुआ।

मौके पर पुलिस

इस बीच हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को एक्सप्रेसवे से हटाकर यातायात सुचारू कर दिया गया है। आये दिन बढ़ रहे सड़क हादसे चिंता का विषय बनते जा रहे है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सलमान खान के अलावा दो और अभिनेताओं के घरों की हुई थी रेकी

फायरिंग केस में बड़ा खुलासा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। सलमान खान केस फायरिंग केस मामले में जहाँ पांचवे आरोपी की गिरफ्तारी से मुंबई पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पांचवे गिरफ्तार आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने सलमान खान के अलावा दो और फिल्म अभिनेता के घर की रेकी की थी। मुंबई पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए मोहम्मद चौधरी ने पुलिस को बताया है कि मुंबई के दो और अभिनेताओं के वीडियो गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को भेजे थे। उसके अमेरिका या कनाडा में छिपे होने का संदेह है। महत्वपूर्ण है कि मोहम्मद बिश्नोई गैंग से छह साल से ज्यादा समय से जुड़ा हुआ है। वो अनमोल बिश्नोई और रोहित गोदारा से सीधे संपर्क में रहता था। जबकि इसी मामले में हाईकोर्ट ने आत्महत्या करने वाले आरोपी थापन के दूसरे पोस्टमार्टम की अनुमति दे दी है। महत्वपूर्ण है कि थापन के परिवार वालों ने पोस्टमार्टम के लिए अपील की थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अस्पताल है या ठेका!

अंडरवियर में छुपाकर मरीजों के लिए लाई जा रही शराब, गुटका-गांजा भी मिला

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के उल्हासनगर में अस्पताल में मरीजों के लिए शराब, गांजा, गुटका और तंबाकू लाने का मामला सामने आया है। यहां के केंद्रीय अस्पाल में जिला सर्जन डॉ. मनोहर बनसोडे ने जब अस्पताल में देखा कि हर जगह गुटका थूकने के निशान हैं। तो उन्होंने सभी मरीजों की चेकिंग करने का आदेश दे डाला। इस दौरान कई मरीजों के पास गुटका, गांजा और तंबाकू जैसी चीजें मिलीं। तो वहीं, एक मरीज के रिश्तेदार के पास शराब की बोतल मिली।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अस्पताल में मचा हंगामा

उनके आदेशानुसार अस्पताल में आने वाले मरीजों के रिश्तेदारों की सघन तलाशी शुरू कर दी गई। इस तलाशी में पता चला कि कुछ मरीजों के परिजनों के पास से शराब, गांजा, गुटका, तंबाकू आदि बरामद हुआ है। एक मरीज के रिश्तेदार ने तो डॉक्टरों को देखते ही अपने अंडरवियर में शराब की बोतलें भी छिपा लीं। जिन्हें अस्पताल के सुरक्षा गार्डों ने जब्त कर लिया। इससे अस्पताल में हंगामा मच गया। अस्पताल में शराब मिलने की घटना की खबर धीरे-धीरे वायरल हो गई। जिस कारण यह अस्पताल अब सुर्खियों में बना हुआ है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सिर्फ आचार संहिता काफी नहीं है

इतिहास गवाह है कि सख्त से सख्त कानून भी अपराध नहीं रोक सका है। जितने कानून बनते हैं उतने ही रास्ते उन कानूनों से बचने के भी बनते हैं। दुनिया भर में कानूनों को लेकर जितनी कहावतें, मुहावरे हैं उतनी शायद ही किसी और चीज को लेकर बनी हों। उनमें भी सबसे अच्छी कहावत यह है कि शो मी अ मैन, आई विल शो यू द लॉ। इसी से मिलती जुलती हिंदी कहावत यह है कि कानून के समक्ष सब समान होते हैं लेकिन कुछ लोग ज्यादा समान होते हैं। यानी कानून पर अमल व्यक्ति को देख कर होता है। गौरतलब है कि अभी देश में लोकसभा के चुनाव चल रहे हैं और लगभग हर दिन किसी न किसी नेता के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत चुनाव आयोग को भेजी जा रही है। प्रधानमंत्री के खिलाफ भी आयोग से शिकायत की गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भी खिलाफ भी शिकायत हुई। लेकिन तीन हफ्ते के बाद भी कार्रवाई का अता पता नहीं है। हर चुनाव में प्रधानमंत्री के भाषण को लेकर शिकायतें मिलती हैं लेकिन आयोग या तो चुप्पी साध लेता है या शिकायतों को रफा दफा कर देता है। अब तो चुनाव आयोग ने कार्रवाई करने से बचने का एक रास्ता यह निकाल लिया है कि अगर कोई स्टार प्रचारक आचार संहिता का उल्लंघन करता है तो उस पर पार्टी अध्यक्ष से जवाब मांगा जाएगा। इस नए नियम के तहत प्रधानमंत्री के खिलाफ मिली शिकायत पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को और राहुल गांधी के खिलाफ मिली शिकायत पर मल्लिकार्जुन खड़गे को नोटिस भेजा गया है। हालांकि यह तय नहीं है कि कार्रवाई किस पर होगी? क्या प्रधानमंत्री के खिलाफ शिकायत सही मिलती है तो जेपी नड्डा को 24 घंटे या 48 घंटे के लिए भाषण देने से रोका जाएगा? और राहुल के मामले में कार्रवाई खड़गे पर होगी? बहरहाल, खड़गे की ओर से जवाब दाखिल किया जा चुका है लेकिन भाजपा ने जवाब देने के लिए और समय मांग लिया है। इस बीच तीन चरण का मतदान संपन्न हो चुका है। वैसे भी चुनाव आयोग के पास ज्यादा कुछ अधिकार होता नहीं है और यही कारण है कि उसकी आचार संहिता का पालन करने की जरुरत कोई नहीं समझता। उनको पता है कि चुनाव आयोग कुछ नहीं कर सकता है। ज्यादा से ज्यादा किसी नेता को एक दो दिन चुनाव प्रचार से रोक देगा। तभी सवाल है कि क्या आचार संहिता को खत्म कर दिया जाना चाहिए? यह सवाल इसलिए है क्योंकि चुनाव की आचार संहिता का खुलेआम उल्लंघन होता है लेकिन जो आधिकारिक दस्तावेज होंगे उनमें दिखाया जाएगा कि सब कुछ नियम के मुताबिक हुआ है। यही से हिप्पोक्रेसी और राजनीति के भ्रष्ट होने की शुरूआत होती है। चुनाव आयोग कहता है कि तीन से ज्यादा गाड़ियां लेकर कोई नामांकन करने नहीं जाएगा। उम्मीदवार आधिकारिक रूप से तीन गाड़ियों की अनुमति लेगा लेकिन उसके जुलूस में सैकड़ों गाड़ियां होंगी। इसी तरह पांच हजार लोगों की रैली करने की जहां अनुमति होगी वहां 50 हजार लोग जुटेंगे तब भी कहा जाएगा कि सब नियम के मुताबिक हुआ।

मतदाताओं को रिझाने के लिए कानपुर में आज राहुल, अखिलेश और माया की सभा

मुंबई हलचल/संवाददाता

कानपुर। लोकसभा चुनाव को चलते महानगर में मतदाताओं को रिझाने जाने के लिए नेताओं की सभाओं और रैलियों का दौर लगातार जारी है। इसी क्रम में आज 10 मई को कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के मुखिया पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और बसपा प्रमुख मायावती की सभा होनी है। 7 साल बाद या दूसरा मौका है जब सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक साथ चुनावी सभा करने कानपुर आ रहे हैं। उनकी आज 10 मई को शहर

के जीआइसी चुन्नीगंज में संयुक्त सभा होनी है। इसके लिए सपा और कांग्रेस के नेताओं को भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस सभा की सफलता के लिए कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने गठबंधन दल के नेताओं के साथ संयुक्त बैठक में रणनीति पर चर्चा की है। वहीं दूसरी ओर सपा के महानगर अध्यक्ष फजल महमूद ने बताया कि 10 मई को कन्नौज की चुनावी सभा को संबोधित करने के बाद राहुल गांधी और अखिलेश यादव सीधे सीएसए के हेलीपैड पर उतरेंगे। इसके बाद जीआइसी चुन्नीगंज में मैदान में आयोजित सभा को संबोधित करेंगे। इसी तरह से आज 10 को रमईपुर मगरासा बसपा सुप्रीमो मायावती भी अकबरपुर से प्रत्याशी राजेश कुमार द्विवेदी की समर्थन में जनसभा करेंगे। इसके लिए भीड़ जुटाना के लिएबसपा के स्थानीय नेता और पदाधिकारी जी जान से जुटे हुए हैं।

पीले अक्षत देकर विधायक महेश ने योगी की जनसभा के लिए दिया आमत्रंण

कानपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शनिवार को शहर मे चुनावी जनसभा है।जनसभा मे भीड जुटाने के लिए भाजपाइयों ने कमर कस ली है। गुरुवार को विधायक महेश त्रिवेदी ने किदवई नगर में पीले अक्षत देकर लोगों को जनसभा का आमत्रंण दिया। गुरूवार को सांय लगभग 6 बजे भाजपाई किदवई नगर स्थित सोटे वाले मन्दिर के पास एकत्रित हुए।यंहा से भाजपाई क्षेत्रीय विधायक महेश त्रिवेदी एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रामदेव शुक्ला के साथ घर

घर व दुकानदारों से मिलकर शनिवार 11 मई को बाबूपुरवा सेन्ट्रल पार्क मे होने वाली जनसभा के लिए पीले अक्षत देकर जनसभा के लिए आमंत्रित किया। विधायक ने लोगों को आमंत्रित करते हुए कहा कि मोदी जी की जीत की माला मे कानपुर का खूबसूरत मोती भी जुडना चाहिए।उन्होंने कहा कि खूबसूरत मोती से तात्पर्य भारी अंतर से जीत है। त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने भी कानपुर शहर को तीसरे कार्यकाल मे सजाने चमकाने की बात कही है यानि कि मोदी जी के दिल मे कानपुर केवल एक नारा नही अपितु हकीकत है। इसलिए हम कानपुर वालों की भी जिम्मेदारी बनती है कि हम रमेश अवस्थी को भारी अतंर की जीत के साथ लोकसभा पहुचाए। यह चुनावी युद्ध राष्ट्रवादियों एवं राष्ट्रविरोधियों के बीच सिमटकर रह गया है। लोकतंत्र में मताधिकार का उपयोग कर राष्ट्रविरोधियों के षड्यंत्रों को विफल करे। निमत्रंण देने वालो मे प्रमुख रूप से प्रकाश वीर आर्य, संजय दूबे,राजू बाजपेयी, अशोक द्विवेदी, वी.के.मिश्रा, बृजेंद्र पंडित, सुशील विश्नोई आदि रहे।

मातृ दिवस : दुनिया में मां का स्थान सर्वश्रेष्ठ : एड.स्मिता कोली

जलगांव। मातृ दिवस पर क्राइम दस्तक ट्रस्ट(रजि) की विधिक सैल की राष्ट्रीय अध्यक्ष व स्वर्ण पदक विजेता एड.स्मिता कोली ने कहा की ममता अपने बच्चों के लिए कूट-कूटकर भरी होती है। श्रीमती कोली ने कहा कि इस दुनिया मे एक मां ही है जो अपने बच्चों की खातिर तमाम कष्टों को सहन करते हुए जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ती है। जन्म से यौवन,युवा व अंतिम क्षण तक एक मां अपने बच्चों से कभी अलग नही हो सकती। उनके अंचल में बच्चों के लिए प्यार,दुलार में कोई कमी नही रहती। वो कभी भी अपने बच्चों को अपने से दूर नही होने देती। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब उनकी संतान पर कोई मुसीबत या दिक्कत आए तो माँ स्वम उनके निराकरण के लिए सदैव तैयार रहती है। जीवन मे कोई ऐसा कार्य न करें जिससे माँ-बाप का दिल दूखे। कहा भी गया है कि यत्र नारी पूज्यन्ते,रमन्ते तत्र देवता।

सुनील साहब और संगीता भाभी साहिबा को तहेदिल से विवाह की 30 वीं वर्षगांठ की बेशुमार मुबारकबाद

मुंबई हलचल/संवाददाता

बाकानेर। स्वस्थ रहे प्रसन्न रहे खुश रहे। सपने सच हो जाते है हर दुआ काम आती है। ऐसी शख्सियत की शादी की सालगिरह है जो अपने आदर संस्कार के दम से लोगो के दिल मे उतरना जानते है जब वो किसी से बात करते है मानो हर अल्फाज में मोती बरस रहे हो आप पल भर में सभी के दिल मे उतरने का हुनर हासिल है ये मुकाम बहुत ही कम लोगो को नसीब होता है के बहुत ही कम उम्र में खुदा ने बड़ी जिम्मेदारी से नवाजा हो सुनील भाई का नाम जब भी जहन में आता है तो तस्वीर उभरती है

ऐसी शख़्सियत की जो अपने आप में मुकम्मल है। आप मुहब्बत, भाईचारे और इंसानियत की जिंदा मिसाल हैं। इस तरह की हस्ती इस सदी में देखने को नहीं मिलती, एक ऐसे दोस्त जो दोस्तों के लिए सबकुछ कुर्बान कर दे, समाज सेवा के जरिए न जाने कितने चेहरों पर खुशियां बॉटने वाले सुसंगम रिलायंस पेट्रोल पंप के चेयरमैन हमारे बड़े भय्या मोहतरम जनाब सुनील साहब इस मुबारक मौके पर हम जाकिर कुरेशी जितेंद्र कानूनगो, पुरब काला, वीरेंद्र कानूनगो, सैयद रिजवान अली, मन्ना वर्मा,दुर्गेश काजू कानूनगो ने मनावर मैं आयोजित 30 वी शादी की सालगिरह पर सुनील भाई और भाभी जी को मुबारकबाद पेश करते है मालिक आप दोनों की जोड़ी युही सलामत रखे हमेशा खुशियों से रोशन रखे यही दुआ करते है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई कांदिवली से लोकसभा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को वैश्य समाज का समर्थन

मुंबई हलचल/ संवाददाता

मुंबई। कांदिवली तेरापंथ भवन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन, महाराष्ट्र द्वारा संवाद कार्यक्रम 'सनातन संस्कृति एवं भारत' कार्यक्रम लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिरला जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया,तथा मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक अग्रवाल जी ने की कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद डा. अनिल अग्रवाल तथा आईवीएफ महाराष्ट्र के प्रदेश

अध्यक्ष श्री कांतिलाल मेहता, महेश गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुराग गर्ग, सुभाष अग्रवाल, दिनेश गुप्ता, श्याम धानुका रहे। कार्यक्रम में वैश्य समाज के महाराष्ट्र के सभी घटकों के अध्यक्ष, मंत्री एवं पधाधिकारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम भगवान गणेश जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ तथा गणेश वंदना से किया गया, तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि सभी मंचासीन अतिथियों का स्वागत तिलक, माला, शाल व पटका से किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा सभी वैश्य बंधुओ को एकजुट होकर चलना तथा इस वर्ष हो रहे लोकसभा चुनाव में वैश्य समाज के बंधुओ को अपना समर्थन प्रदान करना एवं मजबूती प्रदान करने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करने पर जोर दिया,तथा मुंबई, कांदिवली से ऊजार्वान लोकसभा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल जी के समर्थन पर सभी वैश्य बंधुओ ने कार्यक्रम में एकजुट होकर अपना समर्थन भी प्रदान किया। इस कार्यक्रम में मुंबई, महाराष्ट्र के भारी संख्या में वैश्य बंधु (महिला पुरुष) उपस्थित रहे।

'जिले में बालविवाह पर सख्ती से रोक लगे'

मुंबई हलचल/ संवाददाता

जलगाँव। अक्षय तृतीया पर्व (10 मई) यानी आज जिले सहित पूरे प्रदेश में सभी जगह धूमधाम से मनाई जाती है। इस दिन बाल विवाह की संभावना अधिक रहती है।जिलाधिकारी आयुष प्रसाद ने आदेश दिया कि संबंधित तंत्र सतर्क रहे। और होने वाले ऐसे बाल विवाह को रोके। बता दें कि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम 2006 पूरे राज्य में लागू किया गया है। इसी तरह, महाराष्ट्र बाल विवाह रोकथाम अधिनियम 2022 भी लागू है। इस नियम के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सेवक को

बाल विवाह रोकथाम अधिकारी तथा शहरी क्षेत्रों में बाल विकास परियोजना अधिकारी को बाल विवाह रोकथाम अधिकारी तथा आंगनवाड़ी सेवक को ग्रामीण क्षेत्रों में सहायक बाल विवाह रोकथाम अधिकारी तथा शहरी क्षेत्रों में पर्यवेक्षक घोषित किया गया है। इस दिन सभी एजेंसियों को अपना कर्तव्य जिम्मेदारी से निभाना चाहिए। क्योंकि अगर कोई पुरुष बाल वधू (18 वर्ष से कम) से शादी करता है तो उस पुरुष को 2 साल की सश्रम कारावास और 1 लाख रुपये का जुमार्ना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। इसके अलावा, वे व्यक्ति जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बाल विवाह में सहायता करते हैं, जो विवाह की सुविधा प्रदान करते हैं (पुजारी, रसोइया, मंडप, भोजन परोसने वाले, लड़के और लड़की के रिश्तेदार, दोस्त, प्रिंटिंग प्रेस के मालिक और अन्य सेवा प्रदाता, विवाह में उपस्थित सभी व्यक्ति) दर्ज किया जा सकता है। साथ ही, यदि यह पाया जाता है कि जन्म का गलत पंजीकरण किया गया है तो ग्राम पंचायत सेवक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि यदि आपको लगता है कि जिले में कहीं भी बाल विवाह हो रहा है तो आप टोल फ्री चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर संपर्क कर सकते है। संपर्क करने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जाता है। उक्त अपील कलेक्टर जलगांव के माध्यम से की गई।

धूमधाम से मनाई शूरवीर महाराणा प्रताप जयंती

पटौदी। भारतीय इतिहास में महान योधाओं एवं साहसी पराक्रमी शूरवीरों का जब भी नाम याद किया जाता है उनमें महाराणा प्रताप कुम्भलगढ़ का नाम सबसे आगे आता है। मिली जानकारी के मुताबिक महाराणा प्रताप जयंती का आयोजन पूर्व प्रधान नगरपालिका जगदीश की अगुवाई में जाटोली मंडी के आर्य समाज मंदिर मे सर्व समाज की और से पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। जिसमें आस पास के सभी समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए बताया कि महाराणा प्रताप का नाम इतिहास में सदैव याद रखा जाएगा। जिन्होने कभी भी मुगल सम्राट अकबर की आधीनता को स्वीकार नही

किया। क्योंकि वो बहुत ही निडर साहसी और बलशाली वीरता के प्रतीक थे। अपने देश स्वाधीन के प्रति बहुत समर्पित थें कहा जाता है कि उनका कद सात फीट व वजन 100 किलो से ज्यादा था तथा इतना ही वजन के कवच व भाले वो अपने शरीर पर रखते थे। इनकी वीरता के साथ-साथ इनके घोड़े चेतक का नाम भी इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा है। जो युध के दौरान अकबर की सेना को पीछे छोड़ 22 फीट से ज्यादा बड़े नाले को छलांग लगा कर पार कर गया था। उक्त जयंती समारोह में सभी गणमान्य लोगो ने कहा की हमें इन वीर योधा के पद चिन्हों पर चलना चाहिए व समाज में एक अच्छा संदेश व भाईचारे की भावना पैदा करनी चाहिए। जिससे की समाज में एकता आए क्योंकि राणा जेसे प्रतापी योधा कमजोरों के मसीहा थे और गलत का विरोध करने वालों में से एक थे। वो सभी जाति व समुदाय को एकता के सूत्र में बांधना चाहते थे। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े पदाधिकारी पूर्व कप्तान जनक चौहान, रवि चौहान, मास्टर सुरेन्द्र चौहान, सतपाल सिंह, अशोक चौहान, राय सिंह चौहान, बहादुर चौहान,सतीश चौहान, राकेश मित्तल, सरजीत सिंह सहित आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

विकलांग मुकुंद गौस्वामी मतदान में निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका

जलगांव व रावेर लोस में 13 को होगा मतदान

मुंबई हलचल/संवाददाता

जलगांव। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर जिले में जगह-जगह मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। देखा गया है कि जगहों पर मतदान का प्रतिशत गिर गया है। क्योंकि गर्मी के मौसम को देखते हुए मतदाता इसको गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। हमारे जलगांव जिले में चौथे चरण में जलगांव और रावेर लोकसभा के लिए 13 मई को मतदान होना है। आपका एक वोट जीत और हार का इतिहास बना सकता है, क्योंकि आपका एक वोट बहुत शक्तिशाली है, मतदाता राजा के रूप में आपका वोट महत्वपूर्ण है। गौरतलब है कि स्थानीय मुकुंद गोसावी जोकी अपनी शारीरिक विकलांगता के बावजूद भी धर्मार्थ कार्य में लगे हुए है। बता दें कि उन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर आयुष प्रसाद द्वारा जिला आइकन के रूप में चुना गया है। वह अपनी विकलांग कार के माध्यम से नागरिकों से मतदान करने की अपील कर रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने आरएल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल क्षेत्र में एक विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया हुआ है। मतदान कार्य पर थीसिस तैयार करने वाले दीपक पाटिल, स्वप्निल पालवे सहित विभिन्न नागरिक उनका सहयोग कर रहे है। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट आइकॉन मुकुंद गोसावी ने मतदान का महत्व समझाते हुए कहा कि लोकतंत्र को जीवंत रखने के लिए प्रत्येक नागरिकों को मतदान करना अति आवश्यक है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

अस्पताल है या ठेका!

जिसे उसने डॉक्टरों को देखते ही अपने अंडरवियर में छुपा लिया था। अस्पताल प्रशासन ने ऐसी हरकत करने वाले सभी मरीजों के परिजनों के खिलाफ एक्शन लेने का फैसला लिया है। अस्पताल कर्मचारियों के मुताबिक, इस अस्पताल में दिन में हजारों मरीज चेकअप के लिए आते हैं। जो मरीज भर्ती हैं, उनके परिजन भी उनसे मिलने आते हैं। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल में काफी सुविधाएं हैं। जिस कारण यहां कर्जत, कसारा, शाहपुर, मुरबाड, अंबरनाथ, बदलापुर सहित ग्रामीण इलाकों से सैकड़ों नागरिक इलाज के लिए आते हैं। अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग में प्रतिदिन एक हजार से अधिक मरीज पंजीकृत होते हैं। इन दिनों को। हां क्षमता से अधिक मरीजों का इलाज किया जा रहा है। जिला सर्जन डॉ. मनोहर बनसोडे ने इस दौरान देखा कि अस्पताल की दीवारें और शौचालय गुटखा स्प्रेयर से रंगे हुए थे। इसके बाद उन्होंने अस्पताल के प्रवेश द्वार पर मरीजों से मिलने आए रिश्तेदारों की तलाशी लेने का आदेश दिया।

मुंबई-पुणे हाईवे पर ब्रेक फेल होने की वजह से 3 लोगों की मौत

बता दें कि हादसे में घायलों का इलाज पनवेल के एमजीएम अस्पताल में चल रहा है। अधिक जानकारी यह है कि हादसा पुणे से मुंबई जाने वाली लेन पर हुआ है। ट्रक का ब्रेक फेल होने के कारण चालक ने ट्रक से नियंत्रण खो दिया और ट्रक आगे चल रहे मुर्गी परिवहन कर रहे टेंपो और ओमनी कार से जा टकराया। ट्रक की टक्कर से भयानक हादसा हो गया।

सलमान खान के अलावा दो और अभिनेताओं के घरों की हुई थी रेकी

क्राइम ब्रांच के सूत्र आरोपी द्वारा किए गए बयान की पुष्टि कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार चौधरी ने तीनों वीडियो भेजने के बाद उसे हटाए थे। उन वीडियो को पुनः प्राप्त करने के लिए उसके मोबाइल फोन की तकनीकी जांच की मांग की गई है। मंगलवार को गिरफ्तार किए गए चौधरी ने पुलिस को बताया कि उन्होंने 8 से 12 अप्रैल के बीच दो अन्य अभिनेताओं के घरों की तलाशी ली थी, जब उन्होंने सलमान खान के आवास का भी वीडियो लिया था।

महाराष्ट्र में कम हो रहें मुस्लिम सांसद

इनमें कांग्रेस से चार, एआईएमआईएम और समाजवादी पार्टी से दो-दो और एनसीपी और शिवसेना से एक-एक। सदन में मुस्लिम विधायकों की संख्या सबसे ज्यादा 13 रही है, जो 1972, 1980 और 1999 में चुने गए थे।

भारत में दुनिया से आया सर्वाधिक पैसा, 111.22 अरब डॉलर की धनराशि मिली, 100 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने वाला बना 'पहला देश'

यूएन आईओएम की विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2024 में खुलासा

दक्षिण एशिया में तीन देश

भारत एशिया में भी 10 शीर्ष देशों में शामिल रहा। दक्षिणी एशिया में तीन देश भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश दुनिया में अंतरराष्ट्रीय रूप से प्रेषित धन प्राप्त करने वाले 10 शीर्ष देशों में शामिल रहे जो इस उपक्षेत्र से श्रमिकों के प्रवास के महत्त्व को दिखाता है।

मुंबई हलचल / वाशिंगटन

संयुक्त राष्ट्र की प्रवासन एजेंसी 'इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन' (आईओएम) ने अपनी विश्व प्रवासन रिपोर्ट, 2024 में कहा है कि भारत में साल 2022 में दुनिया भर से 111 अरब डॉलर धनराशि प्राप्त हुई जो सर्वाधिक है। इसी के साथ भारत 100 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने वाला पहला भी देश बन गया है। यह धन प्रवासियों ने भारत में मित्रों व रिश्तेदारों को हस्तांतरित किया है। प्रेषित धन या 'रेमिटेंस' का आशय प्रवासियों द्वारा मूल देश में मित्रों और रिश्तेदारों को किए गए वित्तीय या अन्य तरह के हस्तांतरण से है।

दूसरे स्थान पर मेक्सिको, उसके बाद चीन, फिलीपींस और फ्रांस

संयुक्त राष्ट्र की प्रवासन एजेंसी आईओएम ने अपनी विश्व प्रवासन रिपोर्ट, 2024 में कहा है कि साल 2022 में प्रेषित धन प्राप्त करने वाले शीर्ष पांच देशों में भारत, मेक्सिको, चीन, फिलीपीन और फ्रांस शामिल हैं। भारत शीर्ष पर रहा और उसे 111.22 अरब डॉलर की धनराशि मिली।

दुनिया में भारतवंशियों की सर्वाधिक आबादी 1.8 करोड़

मेक्सिको ने चीन को पछाड़ा

आईओएम ने अपनी विश्व प्रवासन रिपोर्ट, 2024 में कहा कि 2022 में प्रेषित धन प्राप्त करने वाले शीर्ष पांच देशों में भारत, मेक्सिको, चीन, फिलीपींस और फ्रांस शामिल हैं। भारत शीर्ष पर रहा और उसे 111.22 अरब डॉलर की धनराशि मिली। मेक्सिको 2022 में दूसरा सबसे ज्यादा प्रेषित धन प्राप्त करने वाला देश रहा। यह स्थान उसने 2021 में चीन को पछाड़कर हासिल किया था।

दुनिया में भारतवंशियों की सर्वाधिक आबादी 1.8 करोड़

भारत एशिया में भी 10 शीर्ष देशों में शामिल

धन प्राप्त करने में चीन दूसरा देश रहा

अब तक भारत के बाद चीन ऐतिहासिक रूप से प्रेषित धन प्राप्त करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश रहा है। भारत 2010 (53.48 अरब डॉलर), 2015 (68.91 अरब डॉलर) और 2020 (83.15 अरब डॉलर) में भी शीर्ष पर रहा।

प्रवासियों के लिए 13वें नंबर पर भारत

रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में सबसे अधिक प्रवासी भी भारतीय मूल के होते हैं जिनकी कुल संख्या देश की कुल आबादी का करीब 1.3 फीसद या 1.8 करोड़ है। उसकी ज्यादातर प्रवासी आबादी संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब जैसे देशों में रह रही है। वहीं, भारत प्रवासियों के लिए काम करने के क्रम में 13वें नंबर पर आता है और देश में 44.8 लाख प्रवासी मजदूर हैं।

खबर संक्षेप

पाकिस्तान में आंतकी हमला, 7 की मौत

ग्वादर। पाकिस्तान के ग्वादर में गुरुवार सुबह एक अज्ञात हमलावर ने 7 लोगों की गोली मार कर हत्या कर दी। हमले के वक्त मृतक सो रहे थे। गोलीबारी में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है। मृतक पाकिस्तान के पंजाब के रहने वाले थे । ये ग्वादर पोर्ट के पास नाई की दुकान पर काम करते थे। आतंकवादियों ने ग्वादर के सरबंद में फिश हार्बर जेट्टी के पास आवासीय क्वार्टरों पर हमला किया। आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। इसके कारण सो रहे सात लोगों की मौत हो गई।

अमेरिका में 2 मई से भारतीय छात्र लापता

वॉशिंगटन। एक बार फिर अमेरिका के शिकागो से एक भारतीय छात्र लापता हुआ है। छात्र की पहचान रुपेश चंद्रा चिंताकिंदी के रूप में हुई है, जो कि बीती 2 मई से लापता है। शिकागो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने बताया है कि वह पुलिस और अमेरिका में रहने वाले भारतीय समुदाय के संपर्क में है।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर का एक हफ्ते में दूसरी बार बड़ा बयान

पीओके भारत का हिस्सा, पाक इसे वापस करे, जनता की भी यही इच्छा

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने पीओके को भारत का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि भारत के लोग पीओके को भूले नहीं हैं, लोग फिर से इसे देश में मिलाना चाहते हैं। पाकिस्तान को पीओके वापस कर देना चाहिए।

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एक बार फिर पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) को भारत का हिस्सा बताया है। ये इस हफ्ते में दूसरी बार है जब जयशंकर ने पीओके को भारत का अभिन्न अंग बताया है। इससे पहले 5 मई को ओडिशा दौरे में उन्होंने कहा था कि भारत के लोग पीओके को भूले नहीं, लोग फिर से इसे देश में मिलाना चाहते हैं। जयशंकर ने दिल्ली के गार्गी कॉलेज में कहा कि पाकिस्तान को पीओके वापस कर देना चाहिए। उन्होंने इसे पीएम मोदी का एक सबसे बड़ा सपना बताया। इसके अलावा उन्होंने लोगों का ध्यान कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने पर भी दिया। जयशंकर ने 370 को मोदी सरकारी की बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि अब देश की जनता ने भी मान लिया है कि 370 दोबारा कश्मीर में नहीं आएगा। साथ ही अब हमारा लक्ष्य पीओके की जमीन बदलने का है।

खास बातें

- 2023 में जम्मू-कश्मीर में रिकॉर्ड 2 करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए
- पीओके में हालात खराब
- धारा 370 दोबारा कश्मीर में नहीं आएगी
- कश्मीर में पत्थरबाजी खत्म हुई

पीओके हमारा था, है, रहेगा

पिछले हफ्ते ही जयशंकर के पीओके वाले बयान को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी दोहराया था। राजनाथ सिंह ने कहा था कि भारत पीओके पर अपना दावा कभी नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा था कि पीओके हमारा था, है और हमारा रहेगा। सिंह ने कहा था कि आज कश्मीर की तरक्की देखकर पीओके के लोग खुद को भारत का हिस्सा मानते है। ये दिखाता है कि पीओके पर हमारी सोच कहा तक है। भारत को इसके लिए कुछ करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जिस तरह कश्मीर में हालात बदल रहे हैं और आर्थिक प्रगति हो रही है, वहां जैसी शांति लौटी है, मुझे यकीन है कि एक दिन पीओके से भी भारत में विलय की मांग उठेगी। पीओके में हमें किसी भी प्रकार का बल प्रयोग नहीं करना पड़ेगा। वहां के लोग खुद भारत में विलय करेंगे।

पीओके पर ध्यान नहीं दिया गया

डॉ. जयशंकर ने बताया कि आजादी के बाद उस समय की सरकार ने पाकिस्तान को इस जमीन को खाली करने को कभी नहीं कहा, जिस कारण आज हमें ये दिन देखने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की आजादी के शुरुआती सालों में इन क्षेत्रों पर ध्यान नहीं दिया गया, जिस कारण पीओके में हालात खराब हो गए। भविष्य में क्या होगा? यह बताना बहुत मुश्किल है। लेकिन, मैं एक बताना चाहता हूं कि देश की जनता पीओके को नहीं भूली है।

पहले हटना था 370

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को पहले ही हट जाना चाहिए था। 370 से पहले कश्मीर में अलगाववाद और उग्रवाद था। 370 हटने के बाद वहां पत्थरबाजी खत्म हुई है, साथ ही आतंकी हमलों में भी कमी आई है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल-370 को खत्म कर दिया था। इसके साथ ही राज्य को 2 हिस्सों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया था। दोनों को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया। इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 23 याचिकाएं दायर की गई थीं। सुप्रीम कोर्ट ने भी 11 दिसंबर को सरकार के फैसले को सही ठहराया था।

आतंक में आई कमी

जयशंकर ने कहा कि 2018 में कश्मीर में पत्थरबाजी की 1767 घटनाएं हुई थीं। लेकिन आर्टिकल-370 हटने के बाद 2023 में ऐसी एक भी घटना नहीं हुई। 2018 से 2022 के बीच आतंकी गतिविधियों में 45.2% की कमी आई है। 2018 में इसके 143 मामले सामने आए थे, 2022 में ये 14 रह गए। 2023 में जम्मू-कश्मीर में रिकॉर्ड 2 करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए। 2022 में यहां 1.88 करोड़ पर्यटक आए थे।

भारत दौरे पर मालदीव के विदेश मंत्री जमीर आए

जयशंकर ने कहा- हमने हमेशा आपका साथ दिया

मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने गुरुवार को भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान जयशंकर ने कहा कि करीबी और निकटतम पड़ोसियों के रूप में हमारे संबंधों का विकास साफ तौर से आपसी हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर आधारित है। भारत ने हमेशा मालदीव का साथ दिया है। ये हमारी पड़ोसी प्रथम नीति नजरिये के तहत है।

मालदीव को विकास सहायता दी

जयशंकर ने कहा कि भारत मालदीव के लिए विकास सहायता देने वाला एक प्रमुख देश रहा है। हमारी परियोजनाओं ने आपके देश के लोगों को लाभ दिया है। उनके जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान दिया है। इनमें बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और सामाजिक पहल से लेकर इलाज के लिए लोगों के सही जगह पहुंचाना और स्वास्थ्य सुविधाएं शामिल हैं।

ब्रिटेन के एनएसए टिम बैरो से मुलाकात

विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत यात्रा पर आए ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) टिम बैरो से गुरुवार को अनेक द्विपक्षीय,

क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने 'एक्स' पर लिखा, 'ब्रिटेन के एनएसए टिम बैरो से आज दिल्ली में मुलाकात सुखद रही। अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। हमारे द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की भी समीक्षा की।' दोनों ने पश्चिम एशिया के हालात पर भी विचार-विमर्श किया।

थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में बीई/बीटेक के लिए एडमिशन प्रोग्राम

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (डीम्ड यूनिवर्सिटी) में बीई/बीटेक एमिशन 2024 के लिए एप्लीकेशन शुरू हो चुके हैं। ये एडमिशन जेईई मेन 2024 की आल इंडिया रैंक और 12वीं की पीसीएम मेरिट को ध्यान में रखकर दिए जा रहे हैं। लेटरल एंट्री एडमिशन 10वीं के बाद तीन साल का डिप्लोमा या 12वीं के बाद दो साल का डिप्लोमा करने वाले छात्रों को दिया जाता है। इन छात्रों के लिए न्यूनतम अंकों की आवश्यकता 60% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 55%) होती है। संस्थान की अलग अलग ब्रांच में 3,000 से अधिक सीटों उपलब्ध है। छह दशक से अधिक समय से रिसर्च एक्सीलेंस की विरासत के साथ और भारत में प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) में 20वें स्थान पर रैंकिंग प्राप्त करने के साथ, टीआईईटी इंजीनियरिंग के उन छात्रों के लिए एक प्रमुख और पसंदीदा जगह है जो एकेडमिक एक्सीलेंस की तलाश में है। टीआईईटी एकेडमिक एक्सीलेंस के लिए पूरी तरह से समर्पित है, योग्य छात्रों को मेरिट और आर्थिक सहायता छात्रवृत्ति के माध्यम से पर्याप्त समर्थन प्रदान करता है। पिछले साल, यह समर्थन राशि 32 करोड़ रुपये से अधिक थी, जिसने उच्च शिक्षा के अपने सपनों का पूरा करने वाले छात्रों को और सशक्त बनाया। इसके अलावा, इंटरनेशनल इंजीनियरिंग प्रोग्राम (आईईपी) छात्रों को दुनिया भर में प्रसिद्ध पार्टनर यूनिवर्सिटी जैसे ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन, यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड, वर्जीनिया टेक, तल अवीव यूनिवर्सिटी और न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी में आसानी से स्थानांतरित करने का अवसर प्रदान करता है। थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर डॉ. पद्मकुमार नायर इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी की बदलती प्रकृति पर प्रकाश डालते हैं और हमारे चारों ओर लगातार बदलते और डायनामिक वर्ल्ड को अपनाने की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हैं। वह छात्रों को यह समझने के लिए प्रोत्साहित करते हैं कि शिक्षा खुद को जानने, बौद्धिक विनम्रता प्राप्त करने और आखिर में एकेडमिक एक्सीलेंस की यात्रा में शामिल होना ही जीवन जीने की तैयारी है। इंजीनियरिंग में अपने फ्लैगशिप प्रोग्राम्स के अलावा, टीआईईटी विभिन्न प्रकार के एकेडमिक प्रोग्राम देता है, जिनमें थापर स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड साइंसेज में स्नातक कार्यक्रम बीबीए/बीए/बीएससी/बीकॉम, स्नातकोत्तर कार्यक्रम एमई/एमटेक, एमएससी, एमए, एमबीए और डॉक्टरेट कार्यक्रम शामिल हैं, जैसे इंजीनियरिंग, एलाइड साइंस और मैनेजमेंट में पीएचडी। उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए, टीआईईटी ने एक इनफार्मेशन सेण्टर स्थापित किया है। इसका उद्देश्य प्रवेश प्रक्रिया के दौरान माता-पिता और छात्रों से जुड़कर स्पष्टीकरण देने में सहायता प्रदान करना और आवश्यक जानकारी देना है। थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (टीआईईटी) में अलग अलग स्पेशलाइजेशन और प्रवेश से जुडी जानकारी के लिए अनुभवी फैकल्टी द्वारा वेबिनारों की एक श्रृंखला आयोजित की जा रही है, जिसे इच्छुक छात्र होलिस्टिक लर्निंग इकोसिस्टम तक पहुंचने के लिए देख सकते हैं।

पूर्व सैनिकों का अमूल्य योगदान राष्ट्र के प्रति सेवाएं समाप्त नहीं होती

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने आज गुरुवार को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट ऑर्गनाइजेशन की ओर से आयोजित शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान थल सेनाध्यक्ष ने देश की समृद्धि में पूर्व सैनिकों के अमूल्य योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सैन्य जीवन अलविदा कहने पर उनकी राष्ट्र के प्रति सेवाएं समाप्त नहीं होती हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी जिम्मेदारी दूसरी पारी में बदल जाती है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उनके लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भारतीय सेना की प्रतिबद्धता दोहराई।

क्षमताओं को पहचानें

पांडे ने कहा कि पूर्व सैनिकों के अनुभव का उपयोग कई कॉर्पोरेट घरानों में किया जा सकता है। उन्होंने सभी से 'भूतपूर्व सैनिक, अलौकिक योगदान' शब्दों की क्षमता को पहचानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने शिक्षा मंत्रालय और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के साथ समग्र कौशल प्रमाणन की प्रक्रिया शुरू की है।

सुरक्षाबलों ने घाटी से तीन दुर्दांत आतंकियों का किया काम तमाम

मुंबई हलचल / काश्मीर

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकियों और सुरक्षाबलों की बीच चल रही मुठभेड़ आज समाप्त हो गई।

बुधवार को सुरक्षाबलों ने नागरिकों की हत्या के कई मामलों में शामिल लश्कर-ए-तैयबा शाखा टीआरएफ के एक शीर्ष 'कमांडर' को भी मार गिराया। पिछले मंगलवार को भी मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए थे। कुल मिलाकर इस अभियान में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया है। अब भारतीय सेना ने इस बाबत अभियान की समाप्ति को लेकर जानकारी दी है।

पूरा हुआ ऑपरेशन

अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सेना ने 40 घंटे की निगरानी के बाद तीन आतंकवादियों को ढेर करते हुए 'ऑपरेशन रेडवानी पाइन' पूरा कर लिया है। इससे पहले मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के कुलगाम के रेडवानी पाईन इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच भीषण गोलीबारी हुई। इसके बाद भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन शुरू किया।

सौर ऊर्जा उत्पादन में जापान को पीछे छोड़ भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

वैश्विक ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर ने ग्लोबल इलेक्ट्रिसिटी रिव्यू 2024 रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 2023 में जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है। भारत 2015 की तुलना में नौवें स्थान से ऊपर आकर तीसरे स्थान पर आ गया है। यह रिपोर्ट राष्ट्रीय स्तर के डेटा 2023 के आधार पर तैयार किया गया है।

इस रिपोर्ट में 92 प्रतिशत वैश्विक बिजली का प्रतिनिधित्व करने वाले 80 देशों को शामिल किया गया, साथ ही 215 देशों के ऐतिहासिक डेटा को भी शामिल किया गया था। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 में सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत की वृद्धि ने देश को जापान से आगे बढ़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक सौर ऊर्जा ने 2023 में वैश्विक बिजली का रिकॉर्ड 5.5 प्रतिशत उत्पादन किया है। जबकि भारत ने 2023 में अपनी बिजली का 5.8 प्रतिशत सौर ऊर्जा से उत्पन्न किया है।

दुनिया में सौर ऊर्जा बिजली का औसत उत्पादन 5.5%, भारत में रिकॉर्ड 5.8 फीसदी

भारत में 17 गुना अधिक सौर उर्जा उत्पादन

हाल के वर्षों में सौर ऊर्जा का विस्तार तेजी से हो रहा है। 2023 में वैश्विक सौर ऊर्जा उत्पादन 2015 की तुलना में छह गुना अधिक था, जबकि भारत में यह 17 गुना अधिक दर्ज किया गया। सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 2015 में भारत की बिजली का 0.5 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 5.8 प्रतिशत हो गई।

सौर उर्जा तेजी से बढ़ता बिजली स्त्रोत

एम्बर के एशिया कार्यक्रम निदेशक, आदित्य लोला ने कहा नवीकरणीय ऊर्जा विशेष रूप सौर ऊर्जा से संचालित भविष्य अब एक वास्तविकता बन रहा है। उन्नीसवें वर्ष भी अपनी स्थिति बरकरार रखी।

चार देशों की 75 प्रतिशत वृद्धि दर

चीन (+156 टीडब्ल्यूएच), यूएस (+33 टीडब्ल्यूएच) और ब्राजील (+22 टीडब्ल्यूएच) के बाद भारत ने 2023 में सौर ऊर्जा उत्पादन में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी वृद्धि (+18 टेरावाट घंटे या टीडब्ल्यूएच) हासिल की है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड के झुलसते जंगलों पर कुदरत ने लगाया 'मरहम,

24 घंटे में जंगल की आग की कोई नई घटना नहीं

मुंबई हलचल/संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के झुलसते जंगलों पर आखिरकार कुदरत ने मरहम लगाया है। तमाम प्रयासों के बावजूद बेकाबू हो रही जंगल की आग वर्षा से शांत हो गई है। हालांकि, बुधवार को रात तक प्रदेश में आग की 25 घटनाओं में करीब 52 हेक्टेयर वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचा। इसके साथ ही इस सीजन में आग की घटनाएं 1,063 के आंकड़े को पार कर चुकी हैं। वहीं 1,438 हेक्टेयर वन क्षेत्र जल चुका है। प्रदेश में बीते 24 घंटों में जंगल में आग लगने की कोई नई घटना नहीं हुई है। शासन ने केंद्र को अवगत कराया कि घटनाओं की सूचना मिलने पर त्वरित प्रतिक्रिया से ही जंगलों की आग पर नियंत्रण पाने में सफलता

मिली है। बुधवार को मौसम के बदले मिजाज से उत्तराखंड को राहत मिली है। खासकर पर्वतीय क्षेत्रों में हुई वर्षा ने जंगलों की आग बुझा दी। बीते एक माह से जंगल की आग प्रदेश सरकार और वन विभाग के लिए चुनौती बनी हुई थी। गुरुवार को केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला की अध्यक्षता में उत्तराखंड के जंगलों में आग की घटनाओं के संबंध में बैठक हुई। बैठक में वर्चुअल रूप से उपस्थित मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने बताया कि जंगलों की आग की घटनाओं में लगातार कमी आई है। आग से प्रदेश का कुल 0.1 प्रतिशत जंगल प्रभावित हुआ है। शासन-प्रशासन ने जंगलों की आग को रोकने के लिए अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल किया है।

चौतरफा बिकवाली से निवेशकों के डूबे 7.34 लाख करोड़

चुनाव को लेकर अनिश्चितता से सेंसेक्स 1,062 अंक लुढ़का, निफ्टी 22,000 अंक से नीचे फिसला

मुंबई हलचल / मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को बड़ी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स ने 1,062 अंक का गोता लगाया जबकि निफ्टी लुढ़क कर 22,000 अंक के स्तर से नीचे आ गया। आम चुनाव को लेकर अनिश्चितता के बीच चौतरफा बिकवाली से बाजार में गिरावट आई है। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारी पूंजी निकासी और एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज में बिकवाली दबाव से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई।

निफ्टी 345 अंक टूटा

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और यह 1,062.22 अंक लुढ़क कर 72,404.17 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,132.21 अंक तक लुढ़क गया था। निफ्टी भी 345 अंक की गिरावट के साथ 21,957.50 अंक पर बंद हुआ।

निवेशकों को 7.34 लाख करोड़ का नुकसान

बीएसई सेंसेक्स में बृहस्पतिवार को तेज गिरावट से निवेशकों की संपत्ति 7.34 लाख करोड़ रुपये घट गई। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार 7,34,513.48 करोड़ रुपये घटकर 3,93,34,896.14 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले, दो मई को बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण रिकॉर्ड 4,08,49,767.90 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था।

- विदेशी संस्थागत निवेशकों ने की भारी बिकवाली
- एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी व रिलायंस में बिक्री से बाजार प्रभावित
- कंपनियों के परिणाम और चुनाव को लेकर अनिश्चित बना रही

टाटा मोटर्स रही लाभ में

दूसरी तरफ टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस और एचसीएल टेक लाभ में रहे। छोटी कंपनियों के शेयरों का सूचकांक बीएसई स्मॉलकैप 2.41 प्रतिशत तथा मिडकैप 2.01 प्रतिशत के नुकसान में रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 6,669.10 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

एलएंडटी का शेयर पांच फीसदी टूटा

सेंसेक्स के शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो मार्च तिमाही के वित्तीय परिणाम के बाद पांच प्रतिशत से अधिक नीचे आया। इसके अलावा एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईटीसी, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावरग्रिड में भी प्रमुख रूप से गिरावट रही।

निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। मुख्य रूप से कंपनियों के चौथी तिमाही के वित्तीय परिणाम और आम चुनाव को लेकर अनिश्चितता को देखते हुए निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया और बाजार से दूरी बनायी।'

कारोबारी दूर रहने से निफ्टी में तेज गिरावट

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, 'संस्थागत निवेशकों की बिकवाली और चुनाव आगे बढ़ने के साथ असमंजस की स्थिति के कारण कारोबारियों के दूर रहने से निफ्टी में तेज गिरावट आई...।'

एशियाई बाजार नुकसान में रहे

एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट में भी बुधवार को मिला-जुला रुख रहा था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

यह एक सब्जी आपको नहीं होने देती आंतों का कैंसर

ब्रोकली को हरी गोभी के नाम से भी जाना जाता है। लोग इसे सलाद या सब्जी के रूप में खाना पसंद करते हैं। प्रोटीन,कैल्शियम, काबोर्हाईड्रेट, आयरन, विटामिन ए और सी आदि कई प्रकार के लवण भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर की लगभग हर हिस्से को पोषण देते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि इसका सेवन आपको आंतों के कैंसर से भी बचाता है। जी हां, एक स्टडी के मुताबिक, ब्रोकली का सेवन आपको आंतों की हर समस्या से बचाता है।

इस स्टडी की रिपोर्ट में सामने आया है कि गोभी या ब्रोकली जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां खाने से आंत स्वस्थ रहते हैं और आंतों के कैंसर से भी बचाव होता है। इसके अलावा इसका सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है इसलिए हर किसी को अपने भोजन में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। गोभी और ब्रोकली में आई3सी पाया जाता है, जो एक एक्रियल हाइडोकार्बन रिसेप्टर (एएचआर) नाम के प्रोटीन को सक्रिय करता है। इससे आंतों के कैंसर से बचा जा सकता है। अगर आप हफ्ते में कम से कम 2-3 बार भी ब्रोकली का सेवन करेंगे तो आप आंतों के कैंसर से बचे रहेंगे। दरअसल, एएचआर एक पर्यावरणीय सेंसर के रूप में काम करता है, जोकि प्रतिरक्षा तंत्र और आंतों की एपिथिलिएल कोशिकाओं को संकेत देता है कि सूजन से बचाव करने की कोशिश करें। इसके साथ ही यह आंत में पाए जाने वाले खरबों बैक्टीरिया से प्रतिरक्षा भी प्रदान करता है। शोध प्रमुख का कहना है, 'जब कैंसर ग्रस्त चूहों को आई3सी से भरपूर डाइट खिलाया गया तो उनमें ट्यूमर की संख्या में कमी देखी गई'।

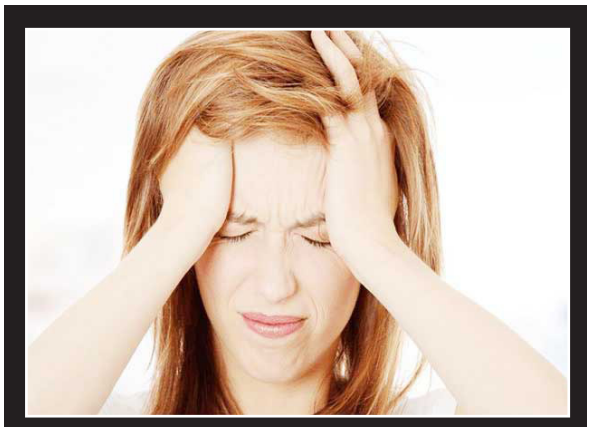

मल्टी विटामिन खाने से बढती है याददाशत

अक्सर औरतें घर में चीजें रखकर भूल जाती हैं। क्लास में बच्चों को बार -बार पढने पर भी याद नही रहता और कई बार पुरुष भी जरुरी बिल बगैहर भरने भूल जाते हैं। घर के बुजुर्ग भी यादाश्त कमजोर होने की शिकायत करते है। ऐसे में अपने भोजन में मल्टीविटामिन के सप्लीमेंट्स को शामिल करके आप अपनी याददाशत तेज कर सकते हैं।

कैसे बढ़ सकती है आपकी याददाशत

ऑस्ट्रेलिया में हुई एक रिसर्च में सामने आया है कि मल्टीविटामिन से याददाशत तेज होती है और दिमाग की कमजोरी दूर होती है। मल्टीविटामिन से दिमाग की कोशिकाएं तेज हो जाती हैं।

इन शोधों में दावा किया गया है कि अगर हम लगातार चार हफ्ते तक खाने में मल्टीविटामिन का प्रयोग करेगें तो दिमाग की क्रियाओं में काफी बदलाव देखने को मिलेगा।

सेहतमंद रहने के लिए हमारे शरीर को 13 विटामिन्स की जरुरत पड़ती है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सभी विटामिनों का अलग अलग कार्य होता है।ए, बी, सी, डी, ई और आठ प्रकार के विटामिन होते है जो हमारे शरीर के लिए बहुत जरुरी होते हैं। इनमें से कुछ विटामिन्स के फायदे नुकसान और स्त्रोत आज आप को बताएंगे।

1.विटामिन ए की कमी से अंधापन, आंखों में सूखापन, रूखे बाल, सूखी त्वचा, बार-बार सर्दी-जुकाम, थकान, कमजोरी, नींद न आना आदि होता है।

यह हमें पीली या नारंगी सब्जियां, पालक, स्वीट पोटेटो, पपीता, दही, सोयाबीन और दूसरी पत्तेदार हरी सब्जियां के सेवन से मिलता है।

2. विटामिन बी काम्पलेक्स मेटॉबालिज्म बढ़ाता है साथ ही खाने से मिलने वाले पोषण को ऊर्जा में बदलने के काम करता है। यह हमें टमाटर, भूसीदार गेंहु का आटा, अण्डे की जर्दी, हरी पत्तियो के साग, बादाम, अखरोट आदि के सेवन से मिलता है।

3. विटामिन सी कोशिकाओं को स्वस्थ रखता है। यह दांत, त्वचा और आंखों के लिए जरुरी होता है। दूध, दही, संतरे, आंवले, अंगूर आदि में यह भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

4. विटामिन डी की मदद से शरीर में कैल्शियम का निर्माण होता है और कैल्शियम हड्डियों की मजबूती के लिए जरुरी होता है। सूरज की किरणे इसकी मुख्य स्त्रोत होती है।

5.विटामिन इ, खून में रेड बल्ड सेल या लाल रक्त कोशिका (Red Blood Cell) को बनाने के काम आता है। विटामिन ई पालक, एवोकाडो, बादाम, ब्रोकली, सूरजमुखी के बीज, पीनट, बटर खाने से मिलता है। विटामिन ई की कमी से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता घट जाती।

यह शरीर को एलर्जी से बचाता है।मल्टीविटामिनों का महत्व का अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि ब्रिटेन में हर साल इस पर 14 करोड़ पाउंड खर्च किए जाते हैं।

हल्के दर्द में भी लेते है पेनकिलर तो संभल जाएं, होगा नुकसान

सिर या जोड़ों में दर्द उठा नहीं कि आप पेनकिलर खा लेते हैं? अगर हां तो संभल जाएं। दर्द निवारक दवाओं का अंधाधुंध सेवन हार्ट अटैक और स्ट्रोक से मौत का खतरा 50 फीसदी तक बढ़ा देता है। 'ब्रिटिश मैडीकल जनर्ल' में प्रकाशित एक अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है। डेनमार्क स्थित आरहुस यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के शोधकताओं ने 63 लाख लोगों पर पौरासिटामोल, आइबुब्रूफेन और डाइक्लोफेनैक सहित अन्य दर्द निवारक दवाओं के दुष्प्रभाव आंके।

उन्होंने पाया कि स्टोरॉयड रहित ये दवाएं शरीर से पानी और सोडियम निकालने की किडनी की रफ्तार धीमी कर देती है। इससे रक्त प्रवाह तेज हो जाता है, साथ ही अंगों को खून पहुंचाने में ज्यादा दवाब पड़ने के कारण धमनियों के फटने और व्यक्ति के हार्ट अटैक व स्ट्रोक का शिकार होने का खतरा रहता है।

अध्ययन में यह भी देशा गया कि दर्द निवारक दवाएं बल्ड प्रैशर घटाने में इस्तेमाल होने वाली दवाओं को बेअसर करती हैं। मुख्य शोधकर्ता मॉर्टिन शिमित के मुताबिक, दर्द निवारक दवाएं दिल की धड़कन को अनियत्रिंत करती हैं। इससे व्यक्ति को बेचैनी, घबराहट, सीने में दर्द की शिकायत हो सकती है।

ये भी हैं नुकसान

-पैरासिटामोल, आइबुब्रूफेन और डाइक्लोफेनैक से लैस दवाएं किडनी की क्रिया प्रभावित करती हैं।

- शरीर में पानी सोडियम का स्तर बढ़ने से रक्त प्रवाह तेज होता है और नस फटने की आशंका भी रहती है।

- ब्लड प्रैशर घटाने में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न दवाओं को भी बेअसर करती हैं दर्द निवारक दवाएं।

दर्द से राहत दिलाएंगी ये 5 चीजें

1. हल्दी

फ्री-रैडिकल्स को नष्ट करने वाले हल्दी का सेवन दर्द को दूर करने में कारगार होता है।

2. लौंग

दांत में दर्द होने पर लौंग का सेवन काफी फायदेमंद होता है। इसके अलावा अन्य बॉडी पेन को दूर करने के लिए भी यह बेहतरीन प्राकृतिक तरीका है।

3. अदरक

अदरक में दर्द का सिग्नल दिमाग तक पहुंचाने वाले अंजाइम की क्रिया को बाधित करने वाले यौगिक पाए जाते हैं।

4. बादाम

ओमेगा-3 फेटी एसिड मांसपेशियों में दर्द, सूजन, खिंचाव का सबब बनने वाले रसायनों को निष्क्रिय करता है।

5. बर्फ या गर्म पानी की सिकाई

जोड़ों या मांसपेशियों का दर्द होने पर बर्फ या गर्म पानी की सिकाई करें। यह नसों में खून का प्रवाह सुचारू बनाकर दर्द को कम करती हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

.....फिर लौटेंगी अंकिता लोखंडे

एकता कपूर का शो 'पवित्र रिश्ता' टेलीवीजन के इतिहास के सबसे सक्सेसफुल शो में से एक है। शो को बंद हुए 10 साल हो गए हैं, लेकिन लोग आज भी मानव और अर्चना की जोड़ी को भूले नहीं है। यही वो शो है जिसने सुशांत सिंह राजपूत और अंकिता लोखंडे को घर-घर पहचान दिलाई और फैंस को अपने प्यार से बांध रखा। लेकिन फैंस को साल 2011 में उस वक्त धक्का लगा जब सुशांत ने इस शो को अलविदा कह दिया।इसके बाद उन्हें रिप्लेश किया टीवी एक्टर हितेन तेजवानी ने, लेकिन फिर ये शो ज्यादा वक्त नहीं चला और साल 2014 में ऑफएयर हो गया। लेकिन पवित्र रिश्ता के फैंस के लिए अब एक गुड न्यूज सामने आ रही है। टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता सुशांत सिंह राजपूत के करियर का टर्निंग प्वाइंट था। सुशांत के जाने के बाद ये सीरियल अब ओटीटी प्लेटफॉर्म में वापसी कर सकता है। सीरियल में अंकिता लोखंडे एक बार फिर अर्चना के किरदार में होंगी। वहीं, सुशांत के किरदार मानव को एक बड़ा एक्टर निभाने जा रहा है।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के पास इस समय कई बॉलीवुड प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई है। सलमान के पास टाइगर 3, किक 2, भाईजान और अंतिम जैसी कई फिल्में हैं। वहीं अब खबर आ रही है कि सलमान खान ने निर्देशक राजकुमार गुप्ता के साथ एक एक्शन थ्रिलर फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित

थ्रिलर फिल्म में नजर आ सकते हैं

सलमान खान

होगी। फिल्म भारतीय जासूस रवींद्र कौशिक के जीवन पर आधारित होगी। रविंद्र कौशिक को ब्लैक टाइगर के नाम से जाना जाता है। इस फिल्म को खुद राजकुमार गुप्ता ने लिखा है। खबरों के अनुसार सलमान को राजकुमार गुप्ता की फिल्म की कहानी काफी पसंद आई हैं। हांलाकि ये बातचीत फिलहाल शुरूआती दौर में हैं। अगर सबकुछ योजना के मुताबिक होता है तो अगले दो महीनों में फिल्म का प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो जाएगा। राजकुमार गुप्ता नो वन किल्ड जेसिका, रेड, आमिर और घनचक्कर जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

अलाया एफ के अपार्टमेंट में रहता था भूत

पूजा बेदी की बेटी अलाया एफ ने फिल्म 'जवानी जानेमन' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म में अलाया की एक्टिंग को खूब सराहा गया था। अलाया सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में अलाया एफ ने एक इंटरव्यू के दौरान चौंकानेवाला खुलासा किया है। अलाया एफ ने बताया है कि उनका सामना भूत से हो चुका है। अलाया ने कहा, जब मैं न्यूयॉर्क में रहकर पढाई कर रही थीं। तब मेरे अपार्टमेंट में एक भूत था। मुझे आधी रात को चलने की तेज आवाज सुनाई देती थी। कई बार तो बाथरूम का शॉवर भी खुद चलने लग जाता था। उन्होंने कहा, मेरे कमरे में उस समय कई डराने वाली चीजें हुआ करती थीं। भूत की वजह से उन्हें अपने घर आने में भी डर लगने लगा था। एक दिन मुझे लगा कि बिजली की गति से मेरे पीछे से कुछ निकला है। तब मैंने अपनी दोस्त से पूछा- तुमने देखा क्या? तो उसने जवाब दिया-मैंने कुछ नहीं देखा। अलाया ने कहा, मुझे लगा था कि कुछ मुझे छूकर गया है और मेरे पीछे से भागता हुआ निकला है। फिर मुझे लगा कि यहां कुछ तो गड़बड़ है और उसके बाद मैं सच में बहुत डर गई थी। मैं अपने उस घर में कभी वापस नहीं जाना चाहती थी।